“सही मायने में स्थायी उद्यमों के निर्माण के लिए एक पीढ़ी से परे एक दीर्घकालिक दृष्टि आवश्यक है। एक व्यावसायिक उद्यम को समुदायों के लिए मूल्य बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए” *- महात्मा गांधी*

कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

खंड 6 अंक 11 नवम्बर 2020 www.एम.जी.एन.सी.आर.ई..org

"दुनिया जल्द ही शिक्षा के लिए भारत आएगी"

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक'। उच्च शिक्षा संस्थानों जैसे आई.आई.टी., एन.आई.टी. और विश्वविद्यालयों में कई आभासी शैक्षणिक कार्यक्रमों पर संबोधित करते हुए, श्री रमेश पोखरियाल ने दोहराया कि 2014 के बाद से सरकार की विभिन्न शैक्षिक पहलों के तहत विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के साथ मिलकर देश की उच्च शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करेगी। "कई देशों ने मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने में महानता हासिल की", श्री पोखरियाल ने जापान, जर्मनी, फ्रांस और अन्य देशों के उदाहरणों का हवाला देते हुए केन्द्रीय हिंदी संस्थान के नए भवन के उद्घाटन के बाद कहा, जो उनकी मातृभाषा मे शिक्षा प्रदान करते हैं।

शि.मं. के साथ समझौता ज्ञापन

23 अक्टूबर को शिक्षा मंत्रालय और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के बीच एम.जी.एन.सी.आर.ई. की गतिविधियों को मंत्रालय के शैक्षिक एजेंडे में संरेखित करने और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के कार्ययोजना को उन्मुख बनाने के लिए समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) पर हस्ताक्षर किया गया।

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके **ग्रामीण प्रबंधन** में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूती के लिए समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किया गया - मंगलम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, केरल; गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुजरात; आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश; कलिंग कॉलेज ऑफ कॉमर्स, ओडिशा; डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश; इंदिरा गांधी जयंती आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु

ग्राफ बढ़ रहा है! संस्थाओं द्वारा गठित कार्य योजना - गर्जन परिणाम

कार्यक्रम	संस्थागत कार्यशालाएं	प्रतिभागी	कार्य योजना तैयार किए गए
व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.)	372	21187	18223
सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)	202	11070	2093
ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)	399	17140	4988

श्रीमती आनंदीबेन पटेल उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल ने 29 अक्टूबर को सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा सह आयोजित ग्रामीण उद्यमिता पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड के लिए तैयार होना! *प्रो.अमरिका सिंह, माननीय कुलपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर राजस्थान ने राजस्थान के चार जिलों - उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद और सिरोही में एम.एल.एस.यू. और संबद्ध कॉलेजों के माध्यम से 7 नवंबर को एक ही दिन में 101 वेबिनार के आयोजन की घोषणा की। यह अभूतपूर्व है और एक राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करेगा!*

संपादक की टिप्पणी

गांधीजी की 150 वीं जयंती की परिणति ने अक्टूबर के महीने को और अधिक महत्वपूर्ण और यादगार बना दिया। हमें यह जानकर खुशी है कि विकास के लिए उच्च शिक्षा संस्थागत पहल अत्यधिक प्रगतिशील और प्रेरक रही है और हम इस प्रयास में उ.शि.सं. द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिकाओं की सराहना करते हैं। शिक्षा मंत्रालय के इशारे पर, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने संस्थागत प्रणालियों और प्रक्रियाओं के साथ शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने का बीड़ा उठाया है। इसके अलावा, एन.ई.पी. 2020 दिशानिर्देशों के अनुसार, संकाय की आवश्यकता है जो तेजी से विकसित हो रहे शिक्षा के माहौल के अनुकूल हो सके।

प्लेसमेंट सेल के रूप में उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला एक सेल आवश्यक है। इस संबंध में, हम ग्रामीण उद्यमिता विकास सेल (आर.ई.डी.सी./एफ.पी.ओ./एफ.पी.सी. - बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एस.एस.बी.सी.) पर ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित कर रहे हैं।

"व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम- अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्य योजना 'पर हमारे एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाओं ने आर्थिक मूल्य के लिए उत्पादक कार्य के साधन के रूप में व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता के लिए ये भाषा। कार्यशालाएं आवश्यक प्रोत्साहन और 4 कार्य योजना के चिन्हित क्षेत्रों में गतिविधियाँ तैयार करने का आधार रही है सामाजिक के साथ वी.ई.एन.टी.ई.एल. अध्ययन और पद्धतियों इसके एकीकरण को बनाया है- विज्ञान, गणित, चार- व्यावसायिक शिक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वच्छ और स्वास्थ्य और सामुदायिक / क्षेत्र कार्य।

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य सेल (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)और सामुदायिक सहभागिता की गतिविधियों का उपयोग करके सामाजिक उद्यम व्यावसायिक योजना विकसित करने पर केंद्रित है। सामाजिक उद्यमशीलता कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) की व्यापक अवधारणा से भी भिन्न है, जिसका उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यवसायों की सहायता करना है। सामाजिक उद्यमिता शिक्षा रणनीतिक रूप से सामाजिक परिवर्तन लाने पर ध्यान केंद्रित करती है और यह परिवर्तन का एक सामूहिक और संगठित आंदोलन है जो सामाजिक चुनौतियों के लिए स्थायी समाधान विकसित और स्केल करने की दिशा में काम करता है।

यह जेवियर स्कूल ऑफ रूरल मैनेजमेंट (एक्स.एस.आर.एम.) के फ्लैगशिप इंडस्ट्री इंटरफेस प्रोग्राम में भाग लेने का एक ***अभिव्यक्ति 2020*** सुखद अनुभव था, जहां ग्रामीण भारत की विभिन्न चुनौतियों के बारे में उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत हुई। गांधी किंग फाउंडेशन ने 2 अक्टूबर 2020 को गांधी जयंती के अवसर पर गांधी 150 - नोबेल शांति सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नोबेल शांति पुरस्कार विजेता विश्व शिखर सम्मेलन के स्थायी सचिवालय के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह वास्तव में प्रेरणादायक और आभासी बैठक का हिस्सा बनने के लिए स्फूर्तिदायक था।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. एफ.पी.ओ. को प्रबंधन संस्थानों के साथ जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि प्रबंधन संस्थान पेशेवर समर्थन बढ़ा सकें। इसके अलावा, एम.जी.एन.सी.आर.ई. प्रबंधन संस्थानों के छात्रों को देख रहा है, जिनमें प्रशिक्षु के साथ एफ.पी.ओ. के साथ इंटर्नशिप हो रही है और फिर ग्रामीण उद्यमिता में प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं जिससे एफ.पी.ओ. में मदद मिल रही है।

गाँव के आत्मनिर्भरता पर विचार या **आत्मनिर्भर भारत** गाँव की आर्थिक गतिविधियों पर केंद्रित हैं। कार्यप्रणाली ग्रामीण उत्पादों और ग्रामीण सेवाओं के निर्माण और विपणन में उद्यमशीलता के अवसरों को बढ़ावा देने और कला के मॉडल की खोज करने, उद्यमशीलता के लिए शिल्प और आत्मनिर्भरता में मदद करती है। उद्यमिता सीखने के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा का उद्देश्य अच्छी तरह से महसूस किया जाता है। उद्यमिता का मार्गदर्शक सिद्धांत है "शिक्षा और कार्य को अलग नहीं किया जा सकता है और कार्य, अनुसंधान, योगदान, रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल के बिना, हम नया ज्ञान नहीं बना सकते हैं।"

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

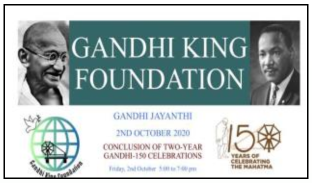

*गांधी किंग फाउंडेशन ने **गांधी 150 - नोबेल शांति सत्र का** 2 अक्टूबर 2020 को गांधी जयंती के अवसर पर वस्तुतः 2 वर्षीय गांधी 150 समारोह के समापन के रूप में आयोजन किया। यह कार्यक्रम नोबेल शांति पुरस्कार विजेता विश्व शिखर सम्मेलन के स्थायी सचिवालय के सहयोग से आयोजित किया गया था। डॉ. इरा हेलफैंड (आई.सी.ए.एन. और आई.पी.पी.एन.डब्ल्यू. से, जिसने 2017 और 1985 में नोबेल शांति पुरस्कार जीता) और एकातेरिना ज़ागलादिना (अध्यक्ष, डब्ल्यू.एस.एन.पी.एल., परमिट) ने दर्शकों से बात की। अन्य प्रख्यात और प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और गांधीवादियों के एक मेजबान ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया और अपने विचार साझा किए। अधिवेशन में बोलते हुए, अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कहा, "एम.जी.एन.सी.आर.ई. में, हम देश भर के 3000 संस्थानों में गांधीजी की नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा की पद्धति को बढ़ावा दे रहे हैं। इसका मतलब यह होगा कि ये सभी संस्थाएँ नई तालीम की तर्ज पर वोकेशनल एजुकेशन को बढ़ावा देंगी जिसमें हेड, हार्ट और हैंड एक साथ काम करेंगे जो कि एक अहिंसा पद्धति है और सीधे तौर पर शारीरिक काम में शामिल है जिसका उत्पादक मूल्य है। हम महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ भी स्थापित कर रहे हैं। हम देश में ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों की शुरुआत करने वाले 2000 संस्थानों को देख रहे हैं, जो देश में ग्रामीण क्षेत्र में उस उद्यमशीलता के अवसर को बनाने पर काम कर रहे हैं, जहाँ लाखों छात्र इन व्यावसायिक स्कूलों से बाहर निकल सकते हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। तीसरा क्षेत्र, जिसे हम स्थापित करने पर काम कर रहे हैं, सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य प्रकोष्ठ हैं। हम देश भर में शैक्षणिक संस्थानों पर नुक्कड़ और कोनों से केंद्रीय क्षेत्रों में काम कर रहे हैं ताकि छात्रों या अकादमिक समुदाय को ग्रामीण पुनर्निर्माण, ग्रामीण उद्यमिता और अनुभवात्मक अधिगम पद्धति में लगे हैं। हम ऐसे लोगों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो बेरोजगार नहीं हैं, लेकिन वे लोग जो उद्यमिता उन्मुख होंगे, वे लोग जो स्वयं सृजन में रुचि रखते हैं और एक ऐसी दुनिया में भी योगदान दे रहे हैं, जिसमें आधार के रूप में प्रकृति संरक्षण के साथ शांति और अहिंसा है। "*

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने "रिडिफाइनिंग डेवलपमेंट पोस्ट-पेंडमिक: लर्निंग और अनलर्निंग" पर संबोधित किए।"

व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्यशालाएं

एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं "व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम- अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) उ,शि.सं. में एम.जी.एन.सी.आर.ई.के हस्तक्षेप पर चर्चा करती हैं; वी.ई.एन.टी.ई.एल.कार्य योजना; एक शिक्षण पद्धति के रूप में व्यावसायिक शिक्षा; और वी.ई.एन.टी.ई.एल. राष्ट्रीय प्रतियोगिता भागीदारी विवरण। कॉलेजों के प्रतिभागी छात्र-शिक्षक अपने संस्थान में वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना सेल के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए उन्मुख हैं; वे 4 वी.ई.एन.टी.ई.एल. क्षेत्रों के बारे में जानते हैं, जिनके लिए उन्हें गतिविधियाँ करने की आवश्यकता है; छात्र शिक्षक के लिए वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना नेशनल कॉम्पिटिशन के चरणों और सबमिशन गाइडलाइंस से अवगत हों; अपने पाठ्यक्रम और स्कूल के पाठ्यक्रम में वी.ई.एन.टी.ई.एल. गतिविधियों को एकीकृत करने के मूल्य को समझते हैं और उनकी सराहना करते हैं; उन नवीन गतिविधियों को साझा करें जो वे व्यावसायिक शिक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वच्छता / स्वास्थ्य और सामुदायिक सहभागिता से संबंधित हों; और वी.ई.एन.टी.ई.एल. में कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानते हैं।

“व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.)” अक्टूबर 2020 पर एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	छात्रों द्वारा वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना	प्रतिभागी
1.	आंध्र प्रदेश	20	721	727
2.	दिल्ली	4	305	305
3.	गुजरात	28	1386	1498
4.	हरियाणा	23	942	1202
5.	हिमाचल प्रदेश	14	730	765
6.	कर्नाटक	20	952	981
7.	केरल	44	2409	2586
8.	मध्य प्रदेश	24	1183	1587
9.	महाराष्ट्र	20	765	765
10.	पंजाब	20	1035	1352
11.	राजस्थान	19	1038	1105
12.	तेलंगाना	40	1692	1880
13.	उत्तर प्रदेश	60	2863	3959
14.	पश्चिम बंगाल	36	2202	2475
	कुल	**372**	**18223**	**21187**

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. वी.एन.टी.ई.एल के तहत 3 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का उद्घाटन
1. डिजिटल फोटोग्राफी में प्रमाण पत्र
2. डिजिटल साक्षरता में प्रमाण पत्र
3. फैशन डिजाइनिंग में प्रमाण पत्र

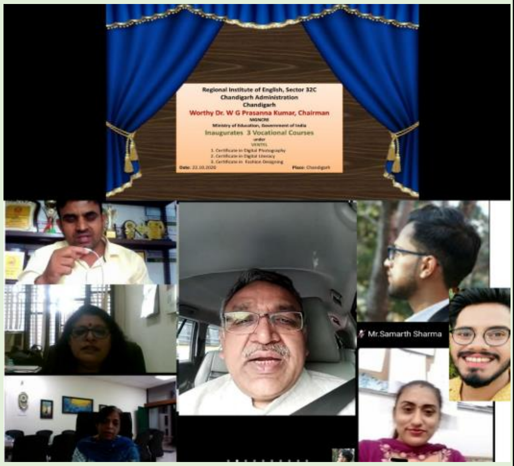

कायेशालाओं की झलक

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर राजस्थान - 2 अक्टूबर

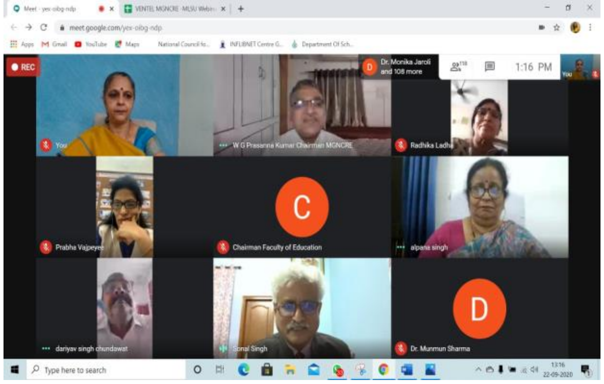

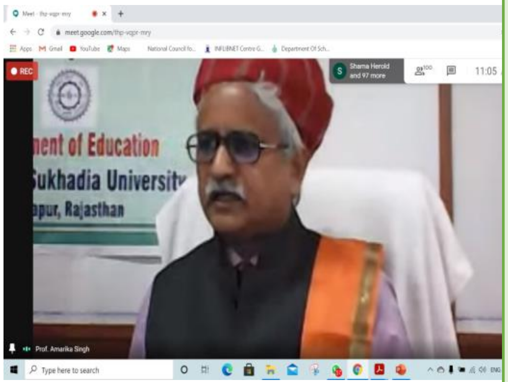

प्रोफेसर अमरिका सिंह, माननीय कुलपति, एम.एल.एस.यू., उदयपुर, ने कहा, "शिक्षा जीवन के लिए, जीवन द्वारा और जीवन सेवा से होनी चाहिए" और ऐसी शिक्षा वी.एन.टी.ई.एल. कार्यक्रम द्वारा प्रदान की जाएगी।

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर ने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती मनाई, जिसमें “राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में गांधीजी के संस्मरण” पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक ऑनलाइन वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षक शिक्षकों के बीच गांधीजी की शिक्षा की दृष्टि (व्यावसायिक शिक्षा -नई तालीम - अनुभवात्मक अधिगम) को साकार करने के लिए जिम्मेदारी का बोध पैदा करना था, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रतिध्वनित किया गया है। सौ से अधिक प्रतिभागी (प्रधान अध्यापक और संबद्ध कॉलेजों से संकाय) ने कार्यक्रम में भाग लिया और व्यक्त किया कि कार्यशाला आनंदमय थी और इस तरह के सत्र आयोजित किए जाने चाहिए।

*"सरकारी नौकरियों और कॉर्पोरेट नौकरियां सीमित हैं और जिस तरह से शिक्षा के कॉलेजों के छात्रों में रोजगार और उद्यमशीलता कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भरता का निर्माण हो रहा है", **डॉ अशोक मित्तल, डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के माननीय कुलपति** ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहा। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस बहु-विषयक पहलू को अपने वी.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना सेल और संकाय और छात्रों के लिए और संबंधित कार्यक्रम के माध्यम से पेश करने में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की।*

नई शिक्षा नीति वोकेशनल एजुकेशन पर होगी आधारित

जानकारी

- शरण कालेज आफ एजुकेशन फार वूमेन घुरकड़ी में एक्सपीरियंस लर्निंग विषय पर आनलाइन वर्कशाप का आयोजन

प्रतीकात्मक • जागरण आर्काइव

संवाद सहयोगी, कांगड़ा : शरण कालेज आफ एजुकेशन फार वूमेन घुरकड़ी (कांगड़ा) में वोकेशनल एजुकेशन नई तालीम एवं एक्सपीरियंस लर्निंग विषय पर आनलाइन वर्कशाप का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डा. शत्रुघ्न भारद्वाज (रीजनल कोआर्डिनेटर, वेंटल, डिपार्टमेंट आफ हायर एजुकेशन गवर्नमेंट आफ इंडिया) ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बारीकियों से रूबरू करवाया।

बीएड और डीएलएड की छात्राओं ने भाग लिया। डा. शत्रुघ्न ने वेंटल एक्शन प्लान की सभी बारीकियों को समझाया। साथ ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में जानकारी दी। कहा न्यू एजुकेशन पालिसी वोकेशनल एजुकेशन पर आधारित होगी जिसमें क्वालिटी आफ एजुकेशन, डिग्निटी आफ लेबर, वैल्यू बेस्ड एजुकेशन, स्किल बेस्ड तथा मातृभाषा पर जोर दिया जाएगा।

कहा हमें पद से सुशोभित नहीं, पद को सुशोभित करना है, क्योंकि जो परिश्रमी व्यक्ति होता है, उसके लिए बहुत सारी जगह सदैव खाली रहती हैं, इसलिए आलसी न बनें, कार्यकर्ता बनें। जिस भी जगह काम करें, वहां अपनत्व की भावना से काम करें। उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। बस हममें काम करने की लगन होनी चाहिए। जब हम काम को कर्म ही पूजा मानकर करेंगे तो हमारे लिए सारे काम आसान हो जाएंगे।

उन्होंने कहा गांधीजी की नई तालीम के अनुसार शिक्षा का जो केंद्र बिंदु था वो हस्तकलाएं थीं। आज भी हमें अपनी शिक्षा में उन्हीं हस्तकलाओं को शामिल करना है। हमें एक ऐसी शिक्षा ग्रहण करनी है, हमें एक ऐसी शिक्षा बच्चे को देनी है, जो हमें भीतर से आत्मनिर्भर बना सके।

27 अक्टूबर, 2020

अनुराग अग्रवाल

वेन्टल एक्शन प्लान फॉर स्टूडेंट टीचर्स विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता, अनूपशहर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम० जी० एन० सी०आर०ई०) उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम०एच०आर०डी०) भारत सरकार एवं दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनूपशहर के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षा संकाय में वेन्टल एक्शन प्लान फॉर स्टूडेंट टीचर्स विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डा० यू के झा ने कार्यशाला को प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की। महाविद्यालय शिक्षा संकाय के अध्यक्ष डा० केसी गौड़ ने मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए कार्य शिक्षा के उद्देश्य व वेन्टल एक्शन प्लान से परिचित कराया तथा कौशल पूर्ण शिक्षा की जीवन में महत्वता था और शिल्प शिक्षा से संबंधित गतिविधियों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। केवी रिसोर्स पर्सन (एम० जी० एन० सी० आर०ई०) शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के प्रोफेसर देवनंदन ने व्यावसायिक शिक्षा को छात्रों के व्यक्तित्व के अलग-अलग पक्षों से जोड़ते हुए श्रंखला बनाई व कौशलपुर पाठ्यक्रम संबंधों का डाटा प्रस्तुत किया जिसमें जुड़े हुए छात्र-छात्राओं प्रतिभागियों ने काफी रूचि ली।

प्रश्नोत्तरी में ऑनलाइन जुड़े हुए छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। शिक्षा संकाय की हिंदी प्रवक्ता डा० सुनीता गौड ने कविता के माध्यम से भाषा के सकारात्मक पहलू को वेबसाइट व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ा तथा इसकी मनोवैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत की। कार्यशाला के अंत में मुख्य बिंदुओं का संक्षिप्तीकरण किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त राजस्थान केरल मध्य प्रदेश दिल्ली आदि प्रदेशों के प्रतिभागी जुड़े। उपरोक्त कार्य के संचालन में टेक्नीशियन पारस कुमार का सहयोग रहा।

వృత్తివిద్యపై అవగాహన పెంచుకోవాలి

మహబూబ్‌నగర్ విద్యావిభాగం : విద్యార్థులు వృత్తి విద్యపై అవగాహన పెంచుకోవాలని పీయూ రిజిస్ట్రార్ పిండి పవన్‌కుమార్ అన్నారు. శుక్రవారం పాలమూరు యూనివర్సిటీ పరిధిలోని 27 ...

పీయూ రిజిస్ట్రార్‌కు సన్మానం

రిజిస్ట్రార్‌ను సన్మానిస్తున్న ఒప్పంద అధ్యాపకులు

వృత్తివిద్యపై ఆన్‌లైన్ వర్క్‌షాప్

మహబూబ్‌నగర్ ఎడ్యుకేషన్: పాలమూరు యూనివర్సిటీ పరిధిలోని 27 బీఈడీ కళాశాలల్లో ...

సాక్షి Sat, 10 October 2020 https://epaper.sakshi.com/c/55561897

జాతీయ విద్యా విధానంతో ప్రతిభ వెలుగులోకి

పీయూ రిజిస్ట్రార్ పవన్‌కుమార్

29 अक्टूबर 2020 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के 25 संबद्ध कॉलेजों की शिक्षा के लिए एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य, ने 25 बी बी.एड. कॉलेजों के संबद्ध 88 प्राचार्यों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया।

हरकचंद रायचंद बाफना डी.एड. कॉलेज, वडगों, मावल, महाराष्ट्र, अग्रवाल महिला टी.टी. कॉलेज, कोटा, राजस्थान और लज़ेबरा कॉलेज, कोटा, राजस्थान के छात्र शिक्षकों के साथ 24 अक्टूबर को तीन संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की गईं। 83 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

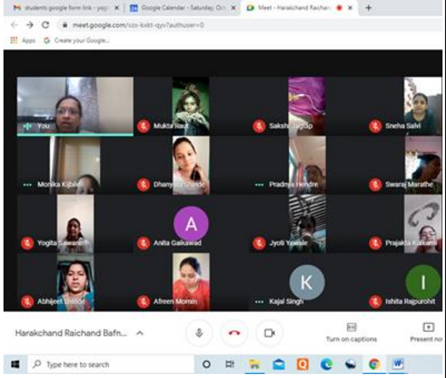

डाइट पाटन, गुजरात, डाइट किन्नौर, हि.प्र. और डाइट सोलन, हि.प्र. के छात्र शिक्षकों के साथ 23 अक्टूबर को तीन संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की गईं। 193 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

चार संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन 23 अक्टूबर को सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन फॉर वूमेन, केरल, सेंट बी.एड. कॉलेज, शिमला, हि.प्र., जूनियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जलगांव, महाराष्ट्र और आर. एन. टैगोर बी.एड. कॉलेज, बांकुरा, पश्चिम बंगाल के छात्र शिक्षकों के साथ किया गया था। 154 193 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

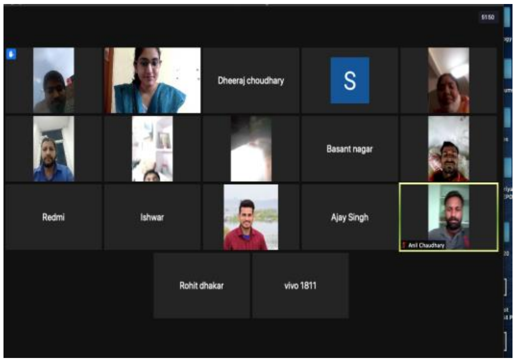

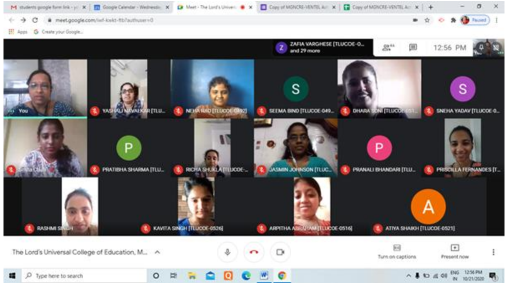

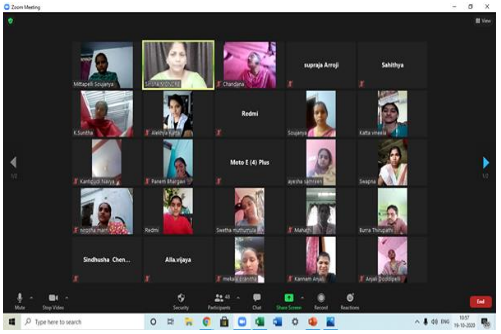

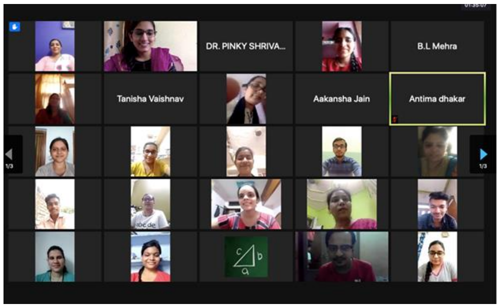

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य प्रकोष्ठ कार्य योजना (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)

यह बताना भारी है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य संबंधी गतिविधियों पर हमारे कार्यशालाओं ने लाभांश का भुगतान किया है और मंत्रालय द्वारा एच.ई.आई. की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को बहुत सराहा गया है। हम सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य प्रकोष्ठों (एस.ई.एस. आर.ई.सी.) के माध्यम से पिछले वर्ष शुरू किए गए कार्यों की निरंतरता और स्थिरता का निर्माण कर रहे हैं।

कार्यशालाएं - सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य योजना प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.) अक्टूबर 2020

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	कार्य योजनाओं का गठन	प्रतिभागी
1	आंध्र प्रदेश	5	30	331
3	बिहार	1	50	71
4	चंडीगढ़	1	10	26
5	छत्तीसगढ़	3	20	146
7	गोवा	2	59	129
8	गुजरात	1	3	92
9	हरियाणा	2	10	104
10	हिमाचल प्रदेश	2	16	101
11	झारखंड	3	62	230
12	कर्नाटक	5	18	286
13	केरल	9	122	722
14	मध्य प्रदेश	24	112	771
15	महाराष्ट्र	38	187	2049
16	मेघालय	1	6	100
17	ओडिशा	1	3	94
18	पंजाब	24	453	1169
19	राजस्थान	17	263	784
20	सिक्किम	1		33
21	तमिलनाडु	29	422	1950
22	तेलंगाना	15	29	875
23	त्रिपुरा	1		62
24	उत्तर प्रदेश	7	98	481
25	उत्तराखंड	2	8	72
26	पश्चिम बंगाल	8	112	392
	कुल	**202**	**2093**	**11070**

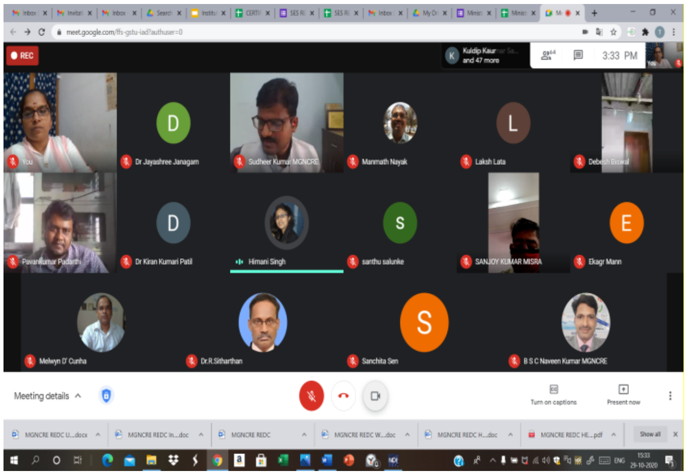

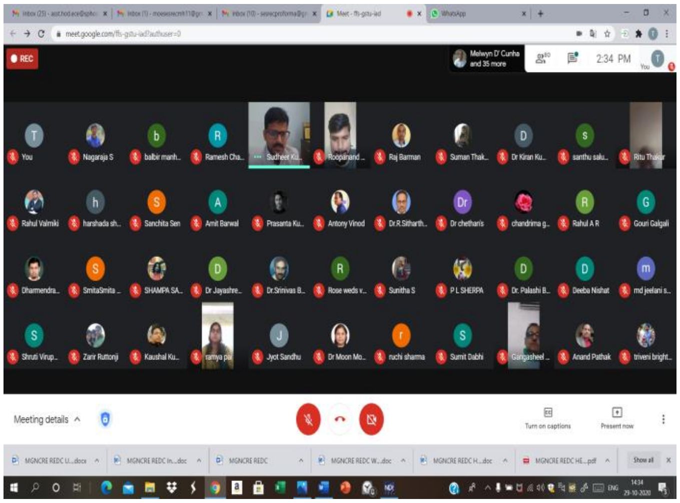

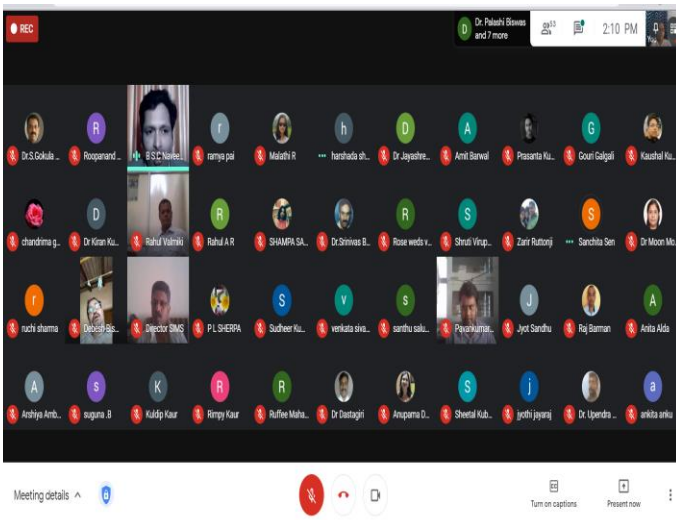

कार्यशालाओं की झलक

प्रो. के.पी. सिंह, माननीय कुलपति, महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय (एम.जे.पी.आर.यू), उ.प्र. ने कार्यशाला के दौरान एस.ई.एस.आर.ई.सी. पंजीकृत संबद्ध संस्थानों को संबोधित करते हुए

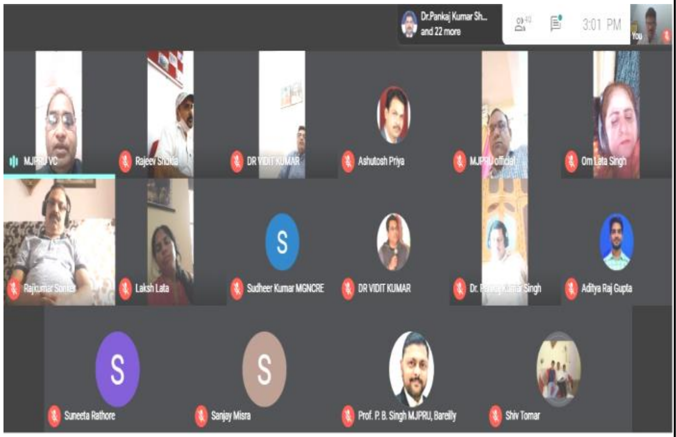

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)
एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. - बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.)

सितंबर में आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यशालाओं के सिलसिले में आयोजित कार्यशालाओं के दूसरे चरण के रूप में आर.ई.डी. सेल का गठन करने वाले संस्थानों के लिए संस्थागत स्तर आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। उद्देश्यों को सेल की कार्यक्षमता और फरवरी 2021 में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक प्रतियोगिता के लिए प्रबंधन के छात्रों को तैयार करने के संदर्भ में परिभाषित किया गया था। जो छात्र उद्यमिता में रुचि रखते हैं उन्हें निर्देशित किया गया था कि कैसे एक व्यवसाय योजना तैयार करें उदाहरण के साथ और इसे वास्तविक रूप से लागू करें। एम.जी.एन.सी.आर.ई. और आर.ई.डी.सी. फैकल्टी को-ऑर्डिनेटर छात्रों को आत्मनिर्भर होने के लिए तैयार कर रहे हैं। ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.) एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.-बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.) पर कार्यशालाएं आर.ई.डी.सी.की कार्यक्षमता के उद्देश्यों के साथ आयोजित की जाती हैं; व्यावसायिक योजना की तैयारी और कार्यान्वयन; और बिजनेस योजना प्रतियोगिता के लिए रास्ता मजबूत करना। कार्यशालाएं ग्रामीण उद्यमों के साथ 1. इंटर्नशिप और प्रशिक्षुता पर ध्यान केंद्रित करती हैं 2. ग्रामीण उद्यमिता की शुरुआत करना 3. ग्रामीण निर्माताओं के साथ नेटवर्किंग करना 4. ग्रामीण प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों का विकास करना और 5. छात्रों को ग्रामीण उद्यमी बनाना।

कार्यशालाएं - ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.), एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.- बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.) अक्टूबर 2020

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	कार्य योजनाओं का गठन	प्रतिभागी
1	आंध्र प्रदेश	38	405	1401
2	असम	1	34	46
3	छत्तीसगढ़	1	8	28
4	गुजरात	18	235	769
5	हरियाणा	20	266	901
6	कर्नाटक	52	449	2135
7	केरल	63	868	2007
8	मध्य प्रदेश	5	23	604
9	महाराष्ट्र	85	1126	3815
10	राजस्थान	14	158	589
11	तमिलनाडु	59	753	3202
12	तेलंगाना	11	76	499
13	उत्तर प्रदेश	22	520	692
14	पश्चिम बंगाल	9	57	420
15	पुडुचेरी सं.शा.प्र.	1	10	32
	कुल	399	4988	17140

विश्वविद्यालय द्वारा 29 अक्टूबर को आयोजित ग्रामीण उद्यमिता पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला। कार्यशाला को श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल ने संबोधित किया।

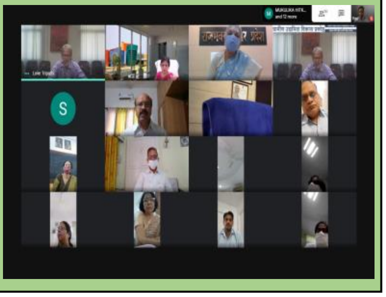

कार्यशालाओं की झलक

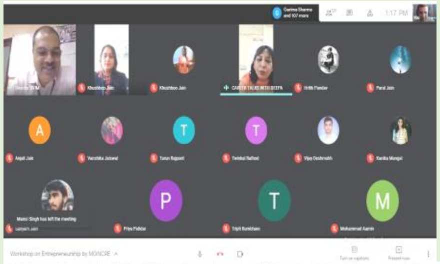

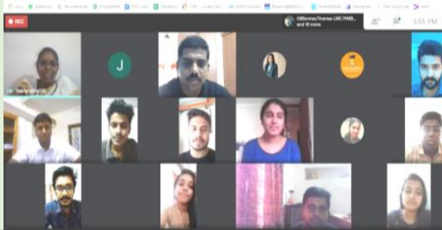

28 अक्टूबर से महाराष्ट्र, असम, राजस्थान और पंजाब के छात्रों और संकायों के लिए पांच "एक दिवसीय ग्रामीण उद्यमिता विकास सेल व्यवसाय योजना कार्यान्वयन कार्यशाला"।

लूर्डेस माता इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, त्रिवेंद्रम 21 अक्टूबर को सुश्री संताम्मा, संयुक्त निदेशक, पनासा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी, रेव गोडसन सैमुअल, पल्मीरा पाम लीफ आर्टिस्ट ने ग्रामीण उद्यमिता पर अपने अनुभव साझा किए।

आई.एम.टी. इंजीनियरिंग कॉलेज, मेरठ, उत्तर प्रदेश के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास सेल व्यवसाय योजना कार्यान्वयन कार्यशाला, 27 अक्टूबर।

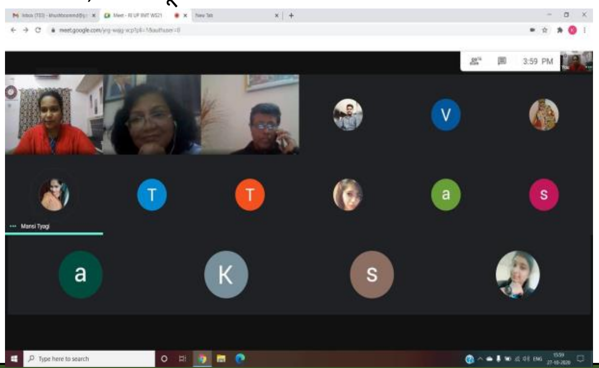

24 अक्टूबर को निम्बाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, सांगली, के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय संस्था-स्तरीय ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ व्यावसायिक योजना कार्यान्वयन कार्यशाला

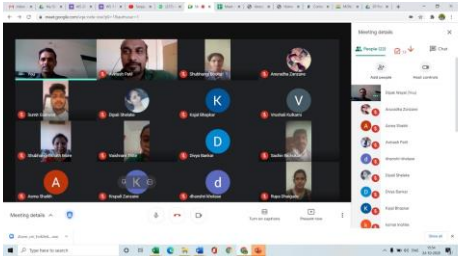

24 अक्टूबर को इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, करनाल, हरियाणा

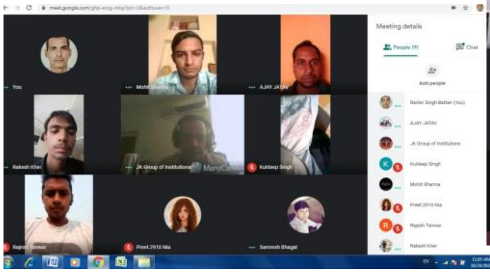

21 अक्टूबर को नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

23 अक्टूबर को प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ग्वालियर मध्य प्रदेश

23 अक्टूबर को लक्ष्मी नारायण कॉलेज, मध्य प्रदेश

23 अक्टूबर को बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

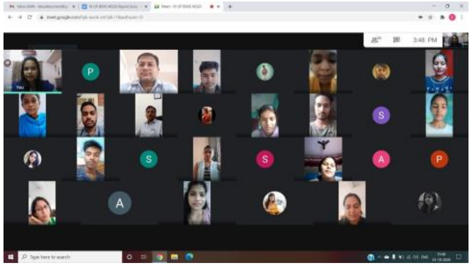

22 अक्टूबर को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

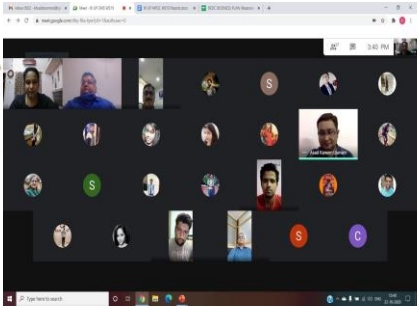

22 अक्टूबर को पी.बी. सिद्धार्थ कॉलेज विजयवाड़ा

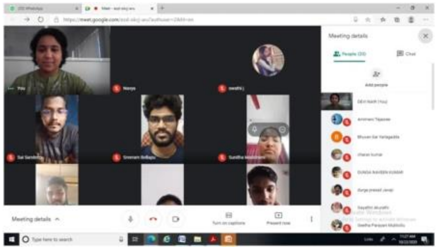

21 अक्टूबर को श्री गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

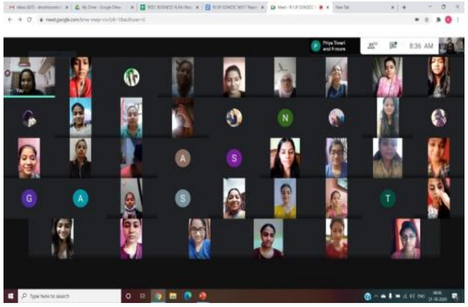

20 अक्टूबर को ब्रम्हदेव माने इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, महाराष्ट्र

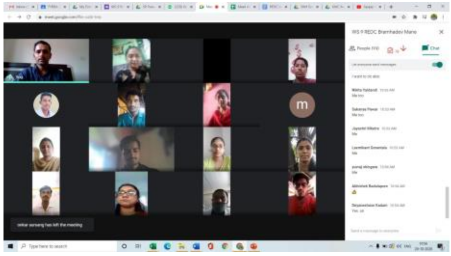

22 अक्टूबर को इंटीग्रल एंड इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन कॉलेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

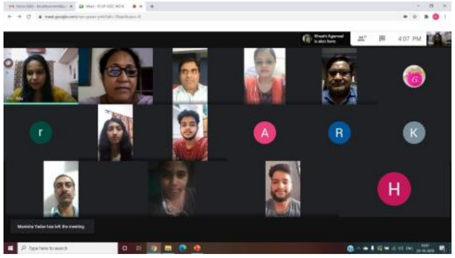

18 अक्टूबर को बी.एन. कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

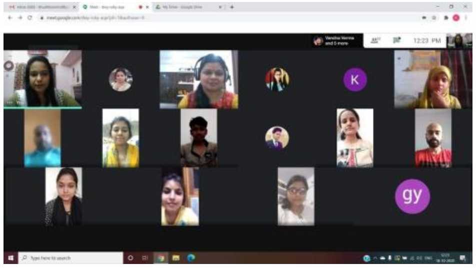

19 अक्टूबर को एस.पी.एन. दोशी वुमेन्स कॉलेज, मुंबई

16 अक्टूबर को इंदिरा इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस, मुंबई

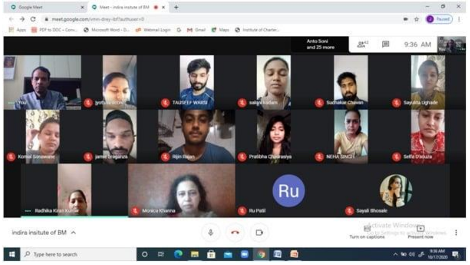

19 अक्टूबर को नरसी मोनजी कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुंबई

`

8 अक्टूबर को श्री कृष्णा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु

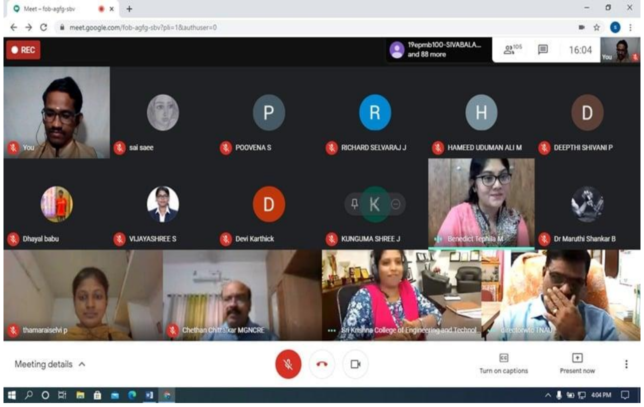

31 अक्टूबर को बी.एस.ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा, उत्तर प्रदेश

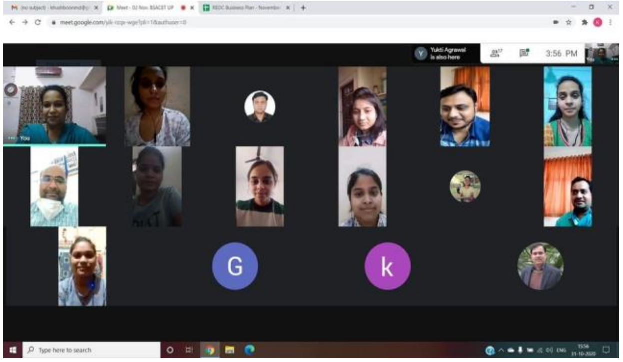

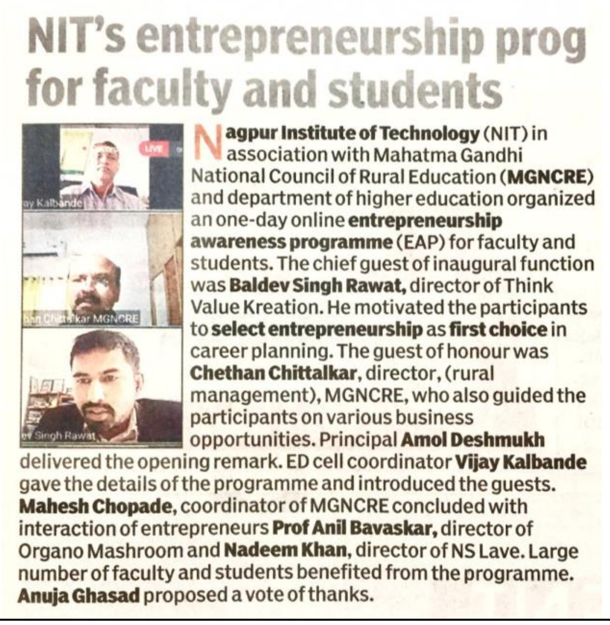

NIT's entrepreneurship prog for faculty and students

Nagpur Institute of Technology (NIT) in association with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) and department of higher education organized an one-day online entrepreneurship awareness programme (EAP) for faculty and students. The chief guest of inaugural function was Baldev Singh Rawat, director of Think Value Kreation. He motivated the participants to select entrepreneurship as first choice in career planning. The guest of honour was Chethan Chittalkar, director, (rural management), MGNCRE, who also guided the participants on various business opportunities. Principal Amol Deshmukh delivered the opening remark. ED cell coordinator Vijay Kalbande gave the details of the programme and introduced the guests. Mahesh Chopade, coordinator of MGNCRE concluded with interaction of entrepreneurs Prof Anil Bavaskar, director of Organo Mashroom and Nadeem Khan, director of NS Lave. Large number of faculty and students benefited from the programme. Anuja Ghasad proposed a vote of thanks.

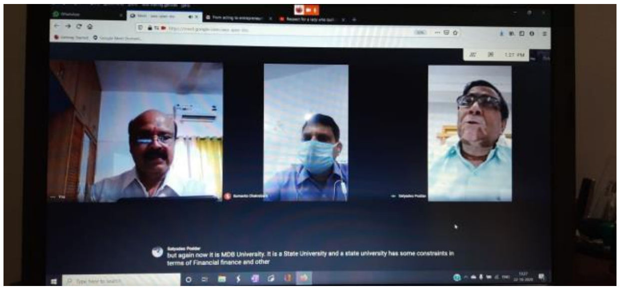

संचयी परिणाम - प्रयास को संस्थागत बनाने के लिए प्रकोष्ठ का गठन

व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम- अनुभवात्मक शिक्षा (वी.एन.टी.ई.एल.)	**198 कार्यशालाएं 2541 वी.ई.एन.टी.ई.एल. प्रकोष्ठ 7231 प्रतिभागी**
सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)	**82 कार्यशालाएं 2260 एस.ई.एस.आर.ई.सी. प्रकोष्ठ 2737 प्रतिभागी**
ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ / एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.-बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.))	**189 कार्यशालाएं 1910 आर.ई.डी. प्रकोष्ठ 2405 प्रतिभागी**

"लचीलापन आपको यह जानने में सक्षम कर रहा है कि आप केवल वही हैं जिसके पास खुद को चुनने की शक्ति और जिम्मेदारी है।"

- मेरी होलोवे

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना – 500004

दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक

श्री पी.सरदार सिंह, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित